हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

अनमोल वचन

"जीवन में समस्याओं का सामना इसलिए करना पड़ता है ताकि हम उन से लड़कर और भी मजबूती के साथ निखर कर आये।"

बुधवार 25 फ़रवरी 2026 वर्ष 02 अंक 55 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने खेल मंत्री श्रेयसी सिंह से की मुलाकात

बिहार के जमीनी स्तर पर ओलंपिक भावना जगाने पर हुई चर्चा

केशववाणी रानी सिन्हा की रिपोर्ट, पटना (बिहार)। 2008 के बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर व्यक्तिगत स्पर्धा में ओलंपिक स्वर्ण हासिल करने वाले पहले भारतीय बनने का गौरव प्राप्त करने वाले, पद्मभूषण और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित अंतरराष्ट्रीय शूटर अभिनव बिंद्रा ने मंगलवार को पटना पहुंचकर बिहार की खेल मंत्री श्रेयसी सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। खेल मंत्री के कार्यालय में हुई इस महत्वपूर्ण बैठक में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री रवीन्द्रण शंकरण तथा खेल विभाग के सचिव श्री महेन्द्र कुमार भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान बिहार में जमीनी स्तर पर खिलाड़ियों के बीच ओलंपिक भावना को प्रोत्सा. हित करने, खेल संस्कृति को मजबूत बनाने तथा प्रतिभाओं को प्रारंभिक स्तर से ही प्रशिक्षण देने पर विस्तार से चर्चा हुई। अभिनव बिंद्रा ने बिहार सरकार द्वारा खेल और खिलाड़ियों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि खिलाड़ियों को शुरुआती स्तर से सही मार्गदर्शन, आधुनिक सुविधाएं और वैज्ञानिक प्रशिक्षण मिले, तो वे राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से निशानेबाजी के क्षेत्र में अपने अनुभव और विशेषज्ञता का लाभ बिहार के खिलाड़ियों को देने की सहमति व्यक्त की और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

खेल मंत्री से मुलाकात से पूर्व श्री बिंद्रा ने बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक के साथ प्राधिकरण के स्टेडियम का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां उपलब्ध खेल सुविधाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। बैठक को बिहार में खेलों के समग्र विकास और ओलंपिक स्तर की तैयारी की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

नालंदा में मैट्रिक कॉपी जांच 2 मार्च से शुरू, 6 केंद्रों के 200 गज में धारा 163 लागू, हर केंद्र पर दंडाधिकारी तैनात

केशववाणी शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट नालंदा। बिहार स्कूल एग्जामिनेशन बोर्ड द्वारा आयोजित वार्षिक माध्यमिक (सैद्धांतिक) परीक्षा–2026 की बारकोडेड उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य 2 मार्च से 13 मार्च 2026 तक नालंदा जिले में कराया जाएगा। इस संबंध में जिला दंडाधिकारी कुंदन कुमार ने आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। बिहारशरीफ अनुमंडल मुख्यालय में कुल छह मूल्यांकन केंद्र बनाए गए हैं। इनमें आदर्श उच्च विद्यालय (बिहार टाउन उच्च विद्यालय कैंपस), बिहार टाउन उच्च विद्यालय सालुगंज (मणिराम अखाड़ा), परमेश्वरी देवी कन्या +2 उच्च विद्यालय, राजकीय कन्या +2 उच्च विद्यालय सोहसराय, पी.एल. साहू उच्च विद्यालय तथा जवाहर कन्या उच्च विद्यालय शामिल हैं। मूल्यांकन कार्य को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए सभी केंद्रों के 200 गज की परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की गई है। अनुमंडल दंडाधिकारी बिहारशरीफ किसलय श्रीवास्तव द्वारा जारी आदेश के अनुसार उक्त क्षेत्र में पांच या उससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने, किसी भी प्रकार के हथियार–लाठी, भाला, गड़ासा या आग्नेयास्त्र (लाइसेंसधारी सहित)–के साथ चलने तथा अनाधिकृत आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि यह प्रतिबंध मूल्यांकन कार्य में तैनात पुलिस पदाधिकारियों, दंडाधिकारियों, शवयात्रा में शामिल लोगों तथा ऐसे व्यक्तियों पर लागू नहीं होगा जो शारीरिक कारणों से लाठी के बिना चलने में असमर्थ हैं। प्रशासन की ओर से बताया गया है कि मूल्यांकन अवधि के दौरान सभी केंद्रों पर दंडाधिकारियों की स्टैटिक प्रतिनियुक्ति की गई है तथा शांति–व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक निरोधात्मक कदम उठाए गए हैं।

नालंदा रोजगार मेला बना युवाओं की उम्मीदों का केंद्र, 632 अभ्यर्थी अगले चरण के लिए चयनित, सांसद ने बांटे केवाईपी सर्टिफिकेट और टूल किट

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट बिहारशरीफ (नालंदा)। युवा रोजगार एवं कौशल विभाग, बिहार , पटना के तत्वावधान में जिला नियोजनालय, नालंदा द्वारा मंगलवार को जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन सह व्यावसायिक मार्गदर्शन मेला का आयोजन किया गया। मेले में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लेकर रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का उद्घाटन नालंदा के सांसद कौशलेन्द्र कुमार , उप विकास आयुक्त शुभम कुमार, बंदोबस्त पदाधिकारी प्रभात रंजन, जिला नियोजन पदाधिकारी मो० आकिफ वक्कास तथा श्रम अधीक्षक अश्विनी कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि सांसद कौशलेन्द्र कुमार ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नियोजन मेला युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है, जहां उन्हें विभिन्न निजी कंपनियों एवं संस्थानों से जुड़ने का मौका मिलता है। उप विकास आयुक्त शुभम कुमार ने बताया कि वर्ष 2010 से इस प्रकार के रोजगार मेलों का आयोजन लगातार किया जा रहा है, जिससे युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। उन्होंने युवाओं से स्वरोजगार और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया तथा उद्योग विभाग एवं जिला निबंधन सह–परामर्श केंद्र की योजनाओं की जानकारी दी।

मेले में कुल 20 नियोजकों ने भाग लिया। 1208 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से लगभग 1000 रिक्तियों के विरुद्ध 632 अभ्यर्थियों को अगले चरण के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। कार्यक्रम के दौरान चयनित अभ्यर्थियों को केवाईपी प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए। आईटीआई प्रशिक्षित युवाओं को टूल किट तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को स्टडी किट का वितरण भी किया गया। जिला नियोजन पदाधिकारी मो० आकिफ वक्कास ने युवाओं को कौशल विकास, नियोजन सहायता, स्टडी किट एवं टूल किट योजना तथा कैरियर सूचना केंद्र की सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। मेले में डी. आरसीसी, आरएसईटीआई और श्रम संसाधन विभाग सहित विभिन्न सरकारी विभागों ने भी स्टॉल लगाकर अपनी–अपनी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर जिला कौशल प्रबंधक, विभागीय कर्मी एवं बड़ी संख्या में अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

नालंदा में कृषि क्रांति की ओर बड़ा कदम: 30 युवाओं को मिल रहा 'कृषि प्रसार सेवा प्रदाता' का विशेष प्रशिक्षण, किसानों तक पहुंचेगी आधुनिक तकनीक

केशववाणी अमर वर्मा की रिपोर्ट,।

बिहारशरीफ, नालंदा। युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, बिहार सरकार के अंतर्गत संचा. लित बिहार स्किल डेवलपमेंट मिशन द्वारा युवाओं के कौशल उन्नयन और रोजगार सृजन के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आरपीएल (Recognition of Prior Learning) योजना के तहत "कृषि प्रसार सेवा प्रदाता" ट्रेड में प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। यह प्रशिक्षण 23 फरवरी 2026 से 9 मार्च 2026 तक कौशल विकास केंद्र, आत्मा , नालंदा में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में कुल 30 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य कृषि क्षेत्र में पहले से कार्यरत कृषक मित्रों, कृषि सलाहकारों एवं संबंधित युवाओं के अनुभव को औपचारिक मान्यता देना तथा उनके तकनीकी और व्यवहारिक कौशल को और सुदृढ़ करना है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कृषि प्रसार की आधुनिक अवधारणाओं, उन्नत फसल उत्पादन तकनीक, एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जल संरक्षण तकनीक, कृषि यंत्रीकरण, फसल विविधीकरण, जैविक एवं प्राकृतिक खेती की जानकारी दी जा रही है। साथ ही सरकारी योजनाओं की अद्यतन जानकारी, किसानों से प्रभावी संवाद की तकनीक, समूह गठन एवं प्रबंधन, फील्ड डेमो का आयोजन, डिजिटल माध्यमों के उपयोग तथा कृषि आधारित उद्यमिता विकास पर विशेष सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। आरपीएल कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षणार्थियों के पूर्व अनुभव का मूल्यांकन कर उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

इससे उनकी कार्यक्षमता को औपचारिक पहचान मिलेगी और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। अधिकारियों के अनुसार, इस पहल से कृषि प्रसार तंत्र को मजबूती मिलेगी तथा आधुनिक कृषि तकनीकों का लाभ अधिकाधिक किसानों तक पहुँच सकेगा। जिला कृषि पदाधिकारी, नालंदा ने कहा कि कृषि क्षेत्र में दक्ष एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन का विकास समय की मांग है। ऐसे कौशल विकास कार्यक्रमों से युवाओं को बेहतर रोजगार मिलेगा और किसानों की आय में वृद्धि के साथ कृषि उत्पाद. कता पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से अपील की कि वे अर्जित ज्ञान का उपयोग अपने–अपने क्षेत्रों में किसानों के मार्गदर्शन के लिए करें। नालंदा जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कृषि क्षेत्र में सतत विकास और किसानों की समृद्धि के लिए इस प्रकार के कौशल उन्नयन कार्यक्रम आगे भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

नालन्दा में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना पर कार्यशाला उद्यमियों को मिला विपणन व डिजिटल प्रबंधन का प्रशिक्षण

केशववाणी शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट। बिहारशरीफ (नालंदा)। विकास आयुक्त कार्यालय, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा–निर्देश में एमएसएमई दृ विकास कार्यालय, पटना द्वारा मंगलवार को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला उद्योग केन्द्र, नालन्दा, बिहारशरीफ के परिसर में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में एमएसएमई इकाइयों के प्रतिनिधि एवं योजना के लाभार्थी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि सचिन कुमार, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र, नालन्दा तथा श्रीकांत सिंह, अग्रणी जिला प्रबंधक, नालन्दा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. रोचक राठौर, सहायक निदेशक ग्रेड–॰ ने की। इस अवसर पर निदेशक श्री आर. के. चौधरी (एमएसएमई विकास कार्यालय, पटना), श्री अजय कुमार (परियोजना प्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र नालन्दा), डॉ. ए. के. वर्मा (विजिटिंग प्रोफेसर एवं विपणन सलाहकार) एवं श्री अंकेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उप. स्थित रहे। मुख्य अतिथि श्रीकांत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना पारंपरिक कारीगरों और सूक्ष्म उद्यमियों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा 18 पारंपरिक व्यवसायिक संकायों को एमएसएमई से जोड़कर उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और विपणन सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जिससे कारीगर आत्मनिर्भर बन सकें। तकनीकी सत्र में डॉ. रोचक राठौर ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की प्रमुख विशेषताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने 26 जनवरी समारोह एवं दिल्ली हाट जैसे राष्ट्रीय मंचों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों में उत्पादों की प्रदर्शनी से स्थानीय कारीगरों को व्यापक पहचान मिलती है और बाजार का दायरा बढ़ता है। विज्ञापन एवं पैकेजिंग प्रमोशन पर सत्र का संचालन करते हुए श्री संजीत राज ने बताया कि प्रभावी ब्रांडिंग, आकर्षक पैकेजिंग और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल माध्यमों का सही उपयोग उद्यमियों के लिए आय बढ़ाने का प्रभावी साधन बन सकता है। प्रो. ए. के. वर्मा ने वित्तीय प्रबंधन, डिजिटल लेन–देन, ऑर्डर डिलीवरी सिस्टम एवं इन्वेंटरी मैनेजमेंट पर व्यावहारिक सुझाव दिए। उन्होंने उद्यमियों को संगठित तरीके से व्यवसाय संचालन की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से अपने प्रश्न पूछे, जिनका विस्तार से समाधान किया गया। प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी से यह स्पष्ट हुआ कि कार्यशाला से एमएसएमई इकाइयों एवं प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों को भविष्य में व्यावसायिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होगा। अंत में डॉ. रोचक राठौर ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

छात्रों की सुविधा के लिए डिग्री कॉलेज में खोला गया हेल्प डेस्क काउंटर,सभी जानकारी मिलेगी एक ही काउंटर पर, होगी सहूलियत

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर।

राजीव लोचन की रिपोर्ट,, राजगीर, नालंदा। राजकीय डिग्री कॉलेज में छात्रों की सुविधा के लिए हेल्प डेस्क काउंटर शुरू की गयी है। इससे छात्रों को नामांकन, छात्रवृत्ति, परीक्षा, पंजीयन एवं अन्य शैक्षणिक कार्यों से संबंधित जानकारी दी जायेगी। प्राचार्य डॉ. आनंद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि पहले छात्रों को विभिन्न कामों के लिए अलग–अलग विभागों का चक्कर लगाना पड़ता था। इससे समय की बर्बादी होती थी। अब वे इस हेल्प डेस्क के माध्यम से आसानी से अपनी समस्याओं का हल करवा सकेंगे। इससे उनका कार्य सरल एवं सुगम हो सकेगा। हेल्प डेस्क काउंटर पर महाविद्यालय प्रशासन द्वारा एक आउटसोर्स कर्मी को रखा गया है, जो सभी आगंतुकों एवं छात्रों को जानकारी उपलब्ध करायेंगे। छात्रों से कहा कि वे किसी भी प्रकार की शैक्षणिक या प्रशासनिक जानकारी के लिए इधर–उधर नहीं भटकें। हेल्प डेस्क का लाभ उठाएं।

महाविद्यालय प्रशासन को विश्वास है कि इस पहल से छात्र–छात्राओं को बेहतर मार्गदर्शन मिलेगा।

टाडापर गांव के बाहर 405 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, पराली के ढेर में छिपाकर रखी थी खेप

केशववाणी गुड्डू कुमार की रिपोर्ट, वेना, नालंदा। वेना थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के टाडापर गांव के बाहर बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव के बाहरी इलाके में अवैध रूप से शराब छिपाकर रखी गई है। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने त्वरित छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान कुटी (पराली) के ढेर में छिपाकर रखी गई रॉयल स्टॉक ब्रांड की 375 एमएल की कुल 45 कार्टन अंग्रेजी शराब जब्त की गई। जब्त शराब की कुल मात्रा लगभग 405 लीटर बताई जा रही है। शराब को इस तरह छिपाया गया था कि किसी को आसानी से संदेह न हो सके।

पुलिस ने मौके से शराब की पूरी खेप जब्त कर ली और अज्ञात शराब कारोबारी के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। पुलिस अब शराब तस्कर की पहचान करने में जुटी है तथा संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

थाना पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि शराब की खेप क्षेत्र में अवैध बिक्री के उद्देश्य से लाई गई थी। मद्य निषेध कानून के तहत अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने आम लोगों से भी अपील की है कि अवैध शराब से संबंधित किसी भी सूचना की जानकारी तुरंत प्रशासन को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

रोटरी इंटरनेशनल के 121वें स्थापना दिवस पर मेगा हेल्थ कैंप एवं पौधा वितरण कार्यक्रम आयोजित, 800 ग्रामीणों ने उठाया लाभ

केशववाणी । शंकर कुमार की रिपोर्ट, बिहारशरीफ (नालंदा)। रोटरी इंटरनेशनल के 121वें स्थापना दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब तथागत द्वारा ग्राम करड़ा में एक विशाल मेगा हेल्थ कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर लगभग 800 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच एवं उपचार का लाभ उठाया। इस सेवा परियोजना के मार्गदर्शक रोटेरियन डॉ. अरविंद कुमार सिन्हा, परियोजना निदेशक रोटेरियन डॉ. नीरज कुमार तथा पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन अशोक कुमार रहे। उनके नेतृत्व में कार्यक्रम सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी निःशुल्क सेवाएं प्रदान कीं। इनमें हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. चंदेश्वर प्रसाद, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील कुमार, होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. नीरज कुमार, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद कुमार सिन्हा एवं डॉ. अभिनव कुमार, जनरल फिजिशियन डॉ. दीना नाथ वर्मा एवं डॉ. इंद्रजीत कुमार, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. विभाष प्रियदर्शी तथा महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनीति सिन्हा शामिल रहे। इसके अतिरिक्त पीपीएच रो. विश्वा प्रकाश, रो. संजीव कुमार एवं एमडब्ल्यू टीम का भी सहयोग रहा। ग्राम करड़ा के मुखिया एवं पंचायत सचिव की उपस्थिति में सभी चिकित्सकों ने मरीजों की जांच कर आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया तथा निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में गांव के पूर्व सिविल सर्जन डॉ. मिथलेश कुमार का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ एक हजार पौधों का वितरण भी किया गया, जिसमें मिशन हरियाली नूरसराय का विशेष सहयोग रहा। करड़ा एवं पैजना गांव के ग्रामीणों के बीच पौधों का वितरण कर हरित अभियान को बढ़ावा दिया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत गांव के बच्चों एवं 50 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों के बीच 'नाम लिखो प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया।

साथ ही मध्य विद्यालय करड़ा में बच्चों के लिए लाइब्रेरी की स्थापना तथा शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने हेतु वाटर चिलर का अधिष्ठापन कर उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के समापन पर क्लब सचिव रो. मधु कंचन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने सभी चिकित्सकों, क्लब सदस्यों एवं ग्रामवासियों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। रोटरी क्लब तथागत ने पुनः संकल्प लिया कि वह भविष्य में भी समाजहित में इसी प्रकार सेवा कार्य करता रहेगा और रोटरी के मूल मंत्र "Service Above Self" की भावना को आगे बढ़ाता रहेगा। इस कार्यक्रम में इंटरेक्ट क्लब ऑफ संत जोसफ स्कूल के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्यगण सहित पूर्व अध्यक्ष रो. अनिल कुमार, रो. राजन अग्रवाल, रो. मंजू प्रकाश, रो. रश्मि दास, रो. जोसेफ टी.टी., रो. अरुण कुमार वर्मा, रो. प्रशांत भदानी, रो. ई. अरविंद कुमार सहित अन्य सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा।

हासनचक में शिव प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ की तीसरी संध्या पर निकली भगवान शिव की भव्य बारात, श्रद्धालुओं से गूंज उठा पूरा गांव

केशववाणी सुनील कुमार की रिपोर्ट,। हरनौत (नालंदा)। स्थानीय प्रखंड के डिहरी पंचायत अंतर्गत हासनचक गांव में आयोजित शिव प्राण प्रतिष्ठा सह यज्ञ महायज्ञ कार्यक्रम की तीसरी संध्या पर धार्मिक उत्साह चरम पर रहा। इस अवसर पर भगवान शिव की प्रतिमा का विधि–विधानपूर्वक फल एवं वस्त्र से अभिषेक और अलंकरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान भागवत पुराण कथा में यज्ञकर्ता पुजारी बाबा अमरकांत ने श्रद्धालुओं के बीच भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह प्रसंग का विस्तृत वर्णन किया। कथा वाचन के उपरांत शिव विवाह की झांकी एवं भगवान शिव की भव्य बारात निकाली गई, जिसने पूरे गांव का माहौल भक्तिमय बना दिया। बारात कार्यक्रम में भगवान शिव एवं माता पार्वती का रूप धारण कर कलाकारों ने विवाह की रस्मों का सजीव मंचन किया, जिससे उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। बारात में विशेष रूप से युवाओं की भागीदारी उत्साहपूर्ण रही। ढोल–नगाड़ों और भक्ति संगीत की धुन पर युवा श्रद्धालु जमकर थिरके और तालियों की गूंज से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। कार्यक्रम में पुजारी अवधेश कुमार ने अपने परिवार सहित पूजा–अर्चना संपन्न कराई। वहीं पुजारी बाबा शंभूनाथ ने पौराणिक परंपरा के अनुसार भगवान शिव और माता पार्वती के विवाह की विधि पूरी कराई। माता पार्वती की झांकी में उनकी सहेलियों के साथ मंडप में आगमन का दृश्य आकर्षण का केंद्र बना रहा। तीसरी संध्या के इस आयोजन में सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने अंगवस्त्र अर्पित कर एवं दान–दक्षिणा देकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया। पूरे आयोजन के दौरान गांव में भक्ति और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।

यूजीसी के समर्थन में 26 फरवरी को बिहारशरीफ में धरना-प्रदर्शन

केशववाणी प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट,। बिहारशरीर्फ(नालंदा)। बिहारशरीफ स्थित अस्पताल चौक पर 26 फरवरी 2026 को यूनिवर्सिटी ग्रंट्स कमीशन (यूजीसी) के समर्थन में जिलाधिकारी, नालंदा के समक्ष एक दिवसीय धरना–प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम अतिपिछड़ा/दलित/अल्पसंख्यक संघर्ष मोर्चा तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर संघर्ष विचार मंच के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। धरना–प्रदर्शन को सफल बनाने के उद्देश्य से बिहारशरीफ के बी.एन. पहाड़ी सहित नालंदा जिले के विभिन्न गांवों एवं शहरी क्षेत्रों में व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया। इस अवसर पर अतिपिछड़ा/ दलित/ अल्पसंख्यक संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदेव चौधरी एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर संघर्ष विचार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल पासवान ने संयुक्त रूप से कहा कि यूजीसी का गठन वर्ष 1945 में दिल्ली, बनारस और अलीगढ़ के केंद्रीय विश्वविद्यालयों के संदर्भ में प्रारंभिक रूप से किया गया था। वर्ष 1947 में इसका विस्तार करते हुए सभी भारतीय विश्वविद्यालयों को इसमें शामिल करने का निर्णय लिया गया। अगस्त 1949 में विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग (1948–49) की सिफारिश पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के गठन की अनुशंसा की गई। उन्होंने बताया कि वर्ष 1952 में केंद्र सरकार ने निर्णय लिया कि विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को दिए जाने वाले सभी अनुदान यूजीसी के माध्यम से नियंत्रित किए जाएंगे। 28 दिसंबर 1953 को तत्कालीन शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद द्वारा यूजीसी का औपचा. रिक उद्घाटन किया गया। बाद में वर्ष 1956 में संसद द्वारा पारित विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के तहत यूजीसी एक वैधानिक निकाय के रूप में स्थापित हुआ।

इसका मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय शिक्षा में शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के मानकों का समन्वय, निर्धारण और संरक्षण करना है।नेताओं ने कहा कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को समानता का अधिकार प्रदान करता है और जाति, वर्ग, वर्ण, धर्म या संप्रदाय के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव का विरोध करता है। उन्होंने कहा कि यूजीसी के 2026 के संशोधित नियम अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग तथा अन्य सभी वर्गों पर समान रूप से लागू होंगे। वर्ष 2012 के नियमों में जहां भेदभाव के मुद्दे उठाए गए थे, वहीं 2026 के संशोधित प्रावधानों में जाति आधारित भेदभाव को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है।उन्होंने छात्र–नौजवानों, बुद्धिजीवियों, किसानों एवं दुकानदारों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर धरना–प्रदर्शन को सफल बनाएं। इस अवसर पर जितेंद्र कुमार, उषा देवी, जगन्नाथ दास, सरवन देवी, जैबुल देवी, मनीष कुमार, राजू कुमार, अमन कुमार, राहुल कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

रबी-खरीफ छोड़ स्ट्रॉबेरी से चमकी किस्मत! नालंदा में स्ट्रॉबेरी खेती से मजबूत हो रही ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोज कमा रहे नकद आमदनी

केशववाणी रानी सिन्हा की रिपोर्ट, नूरसराय (नालंदा)। जिले के नूरसराय प्रखंड अंतर्गत मनारा गांव के किसान अब पारंपरिक खेती की सीमाओं को तोड़ते हुए नगदी फसलों की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। गांव के प्रगतिशील किसान राजेश प्रसाद ने रबी और खरीफ की पारंपरिक फसलों से अलग हटकर अपने एक एकड़ खेत में स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू की है और इससे प्रतिदिन अच्छी नकद आमदनी अर्जित कर रहे हैं। उनकी यह पहल क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए प्रेरणास्रोत बन रही है। राजेश प्रसाद बताते हैं कि शुरुआत में स्ट्रॉबेरी की खेती को लेकर लोगों में संशय था, लेकिन सही जानकारी, आधुनिक तकनीक और मेहनत के दम पर उन्होंने इसे सफल बना दिया। उन्होंने खेत में ड्रिप इरिगेशन (टपक सिंचाई) पद्धति अपनाई है, जिससे पानी की बचत होती है और पौधों को आवश्यक मात्रा में नमी मिलती रहती है। साथ ही, जैविक खाद और उचित देखभाल से फसल की गुणवत्ता बेहतर बनी रहती है। उनका कहना है कि किसान यदि रबी और खरीफ फसलों के साथ–साथ नगदी फसलों की भी खेती करें तो उनकी आय दोगुनी हो सकती है। स्ट्रॉबेरी की बाजार में अच्छी मांग है, खासकर शहरी क्षेत्रों में इसकी खपत अधिक है। स्थानीय बाजार के साथ–साथ आसपास के शहरों से भी व्यापारी सीधे खेत पर पहुंचकर फसल खरीद रहे हैं, जिससे उन्हें उचित मूल्य और तत्काल भुगतान मिल रहा है।

राजेश प्रसाद के अनुसार, प्रारंभिक पूंजी निवेश के बाद स्ट्रॉबेरी की खेती से प्रतिदिन 10 से 20 हजार रुपये तक की आमदनी संभव है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि खेती में नियमित देखभाल, समय पर सिंचाई, रोग नियंत्रण और बाजार की समझ जरूरी है। सही मार्गदर्शन मिलने पर यह खेती छोटे और मध्यम किसानों के लिए बेहद लाभकारी साबित हो सकती है। गांव के अन्य किसान भी अब स्ट्रॉबेरी की खेती को लेकर रुचि दिखा रहे हैं। राजेश प्रसाद समय–समय पर उन्हें खेती की तकनीक, पौधरोपण और देखभाल के तरीके बताते हैं, ताकि अधिक से अधिक किसान नगदी फसलों से जुड़ सकें और अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकें।

नीतीश कुमार का नेतृत्व महान विचारकों के आदर्शों का समन्वय- ब्रजराज चौहान

केशववाणी शंकर कुमार की रिपोर्ट,। बिहार शरीफ (नालंदा)। जनता दल (यूनाइटेड) के प्रदेश महासचिव (अति पिछड़ा प्रकोष्ठ) ब्रजराज चौहान ने कहा कि नितीश कुमार का राजनीतिक चिंतन देश के महान विचारकों–महात्मा गाँधी , जयप्रकाश नारायण , कर्पूरी ठाकुर और राजेंद्र प्रसाद –के आदर्शों का सशक्त समन्वय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इन महापुरुषों के सिद्धांतों को न केवल आत्मसात किया है, बल्कि उन्हें व्यवहारिक शासन–प्रणाली में भी प्रभावी रूप से लागू किया है। ब्रजराज चौहान ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और ग्राम स्वराज के सिद्धांतों को राज्य सरकार ने पंचायतों को सशक्त बनाकर और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता देकर साकार किया है। स्वच्छ प्रशासन, पारदर्शिता और जनसरो. कारों के प्रति प्रतिबद्धता गांधीवादी सोच का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के 'सम्पूर्ण क्रांति' के विचार–व्यवस्था परिवर्तन, सामाजिक न्याय और जनभागीदारी–मुख्यमंत्री के कार्यकाल में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होते हैं। सरकार की योजनाओं में आमजन की भागीदारी सुनिश्चित

करना, भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर रुख अपनाना और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना, जेपी के आदर्शों को आगे बढ़ाने का प्रमाण है।

श्री चौहान ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर की सामाजिक न्याय और पिछड़े वर्गों के उत्थान की सोच को भी मुख्यमंत्री ने मजबूती से आगे बढ़ाया है।

अति पिछड़ा वर्ग, दलित और वंचित समाज के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाएं सामाजिक समरसता और समान अवसर की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आरक्षण, शिक्षा और रोजगार के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का प्रयास कर्पूरी ठाकुर की विचारधारा को प्रतिबिंबित करता है। उन्होंने कहा कि देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की सादगी, नैतिकता और राष्ट्रहित सर्वोपरि की भावना मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व और कार्यशैली में झलकती है। शासन में शुचिता, संविधान के प्रति सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। अंत में ब्रजराज चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नेतृत्व बिहार को विकास, सामाजिक न्याय और सुशासन के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ा रहा है। जनता दल (यू) के कार्यकर्ता इन आदर्शों और उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं तथा राज्य को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक

मैट्रिक परीक्षा देने आए छात्र की संदिग्ध मौत, परिजनों ने लगाया मारपीट का आरोप

केशववाणी अनुमंडल संवाददाता, राजगीर। राजीव लोचन की रिपोर्ट। राजगीर (नालंदा)। मैट्रिक परीक्षा देने राजगीर आए एक 16 वर्षीय छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मामला राजगीर थाना क्षेत्र स्थित पीटीजीएम कॉलेज के समीप का है। मृतक की पहचान सरमेरा थाना क्षेत्र के महमदपुर गांव निवासी शमली यादव के पुत्र संतोष कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में मृतक के ममेरे भाई तनिक कुमार ने बताया कि संतोष गांव के 8–9 अन्य लड़कों के साथ मैट्रिक परीक्षा देने राजगीर गया था। रविवार रात खाना खाने के बाद बर्तन धोने के दौरान कुछ पानी गिर गया, जिससे मकान मालिक नाराज हो गया। आरोप है कि मकान मालिक ने संतोष को लात मारकर धक्का दे दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। साथ में रह रहे बच्चों ने आनन–फानन में उसे राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से उसकी हालत गंभीर देखते हुए पावापुरी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।संतोष तीन भाइयों और एक बहन में सबसे छोटा था और इस वर्ष मैट्रिक परीक्षा दे रहा था। घटना के बाद परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल है। वहीं राजगीर थाना का प्रभार संभाल रहे सर्किल इंस्पेक्टर संजय कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार छात्र की अचानक तबीयत बिगड़ी थी। इसके बाद परिजन उसे सिलाव स्थित एक निजी क्लीनिक ले गए, जहां से बेहतर इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। प्रथम दृष्टया मामला बीमारी से जुड़ा प्रतीत हो रहा है।